

Padma Shri



SHRI DHANESWAR ENGTI

Shri Dhaneswar Engti is the founder Editor-In-Chief of a popular Karbi Literary Magazine named "MONJIR" in 1976. He is also the founder Editor of a Karbi Literary Magazine, named "SAMPHRI" in 1984.

2. Born on 1st November, 1955 at Bithilangso Palam Engti village, Karbi Anglong, Assam, Shri Engti graduated from Diphu Government College, Karbi Anglong, Diphu, in 1978 and obtained his Master's degree in English from Guwahati University in 1981. The Assam Public Service Commission selected him for ACS in the year 1986, but served as Assistant Secretary under Karbi Anglong Autonomous Council (KAAC), Karbi Anglong, Diphu and retired as Joint Secretary from KAAC's service on 30th November, 2017.

3. Shri Engti is the Life Member of Asom Sahitya Sabha' since 2004 and Executive Member, Central Committee of the Asom Sahitya Sabha' for the Session 2009 — 2011. His poems, articles and short stories have been published in various news papers including 'The Assam Tribune', 'The Sentinel', 'Amar Asom', 'Dainik Janambhumi', 'Dainik Janasadharan', 'Ajir Edin', 'The Arleng Daily', 'The Hills Times', 'Solangdo', 'Dainik Protibedon', etc. His elite creation on the canvas of literature is cherished by a great deal of readers and book lovers.

4. Shri Engti has participated and inaugurated various Kavi Sammelan, National level seminars and workshops on important topics organized by different organizations of repute. He wrote and tuned several Karbi modern songs, Karbi Bhajans and Karbi Ghazals during his service life. Some of his beautiful songs were sung by Ms. Alka Yagnik, a renowned Bollywood Singer of Mumbai. He also penned a total of 19 (Nineteen) nos. of books in Karbi, Assamese and English languages.

5. Shri Engti was conferred with "kristinandan" literary award in 2017 for his meritorious contributions in the field of Literature and Karbi Music on the occasion of its 24th All India Conference at ICCR Auditorium, Kolkata. He was honoured with the "Semsonsing Ingti Award, 2018" by the authority of the Karbi Anglong Autonomous Council, Diphu, on the occasion of its 67th Council Foundation Day celebration as a token of acknowledgement and appreciation of his outstanding contribution in the field of Literary Works and Modern Music. He has also been honoured with literary pension in 2019-2020 by the Government of Assam for his outstanding contributions in the field of Karbi, English and Assamese literature.

पद्म श्री



श्री धनेश्वर इंग्ती

श्री धनेश्वर इंग्ती 1976 में “मोनजिर” नामक एक लोकप्रिय कार्बी साहित्यिक पत्रिका के संस्थापक मुख्य-संपादक हैं। वह 1984 में “समफरी” नामक कार्बी साहित्यिक पत्रिका के संस्थापक संपादक भी हैं।

2. 1 नवंबर, 1955 को बिथिलांगसो पालम एंग्ती गांव, कार्बी आंगलोंग, असम में जन्मे, श्री इंग्ती ने 1978 में दीफू गवर्नमेंट कॉलेज, कार्बी आंगलोंग, दीफू से स्नातक की उपाधि और 1981 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की। असम लोक सेवा आयोग द्वारा उनका चयन वर्ष 1986 में एसीएस के लिए हुआ और वह कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी), कार्बी आंगलोंग, दीफू में सहायक सचिव के रूप में कार्य करने के उपरांत केएएसी की सेवा से 30 नवंबर, 2017 को संयुक्त सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

3. श्री इंग्ती वर्ष 2004 से ‘असम साहित्य सभा’ के आजीवन सदस्य हैं और वह सत्र 2009–2011 के लिए ‘असम साहित्य सभा’ की केंद्रीय समिति के कार्यकारी सदस्य थे। उनकी कविताएँ, आलेख और लघु कथाएँ विभिन्न समाचार पत्रों जैसे ‘द असम ट्रिब्यून’, ‘द सेंटिनल’, ‘अमर असोम’, ‘दैनिक जन्मभूमि’, ‘दैनिक जनसाधारण’, ‘अजिर एदिन’, ‘द अलैंग डेली’, ‘द हिल्स टाइम्स’, ‘सोलंगदो’, ‘दैनिक प्रतिबेदोन’ आदि में प्रकाशित हुई हैं। साहित्य के आकाश में इनकी रचनाएँ बहुत से पाठकों और पुस्तक प्रेमियों द्वारा पठित और प्रशंसित हैं।

4. श्री इंग्ती ने प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न कवि सम्मेलनों, राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों और महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाओं में भाग लिया और उनका उद्घाटन किया। उन्होंने अपने सेवा जीवन के दौरान कार्बी भाषा में कई आधुनिक गीतों, भजनों और गज़लों की रचना की और उनकी धुन भी तैयार की। उनके कुछ खूबसूरत गीतों को मुंबई की प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका सुश्री अलका याज्ञनिक ने भी गाया है। उन्होंने कार्बी, असमिया और अंग्रेजी भाषाओं में कुल 19 (उन्नीस) पुस्तकों की रचना की है।

5. श्री इंग्ती को आईसीसीआर ऑडिटोरियम, कोलकाता में 24वें अखिल भारतीय सम्मेलन के अवसर पर साहित्य और कार्बी संगीत के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए 2017 में “क्रिस्टिनंदन साहित्यिक पुरस्कार” से सम्मानित किया गया था। साहित्यिक कार्यों और आधुनिक संगीत के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान और सराहना के प्रतीक में कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद, दीफू के 67 वें परिषद स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर उन्हें “सेमसन सिंग एंग्ती अवार्ड, 2018” से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें असम सरकार द्वारा कार्बी, अंग्रेजी और असमिया साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2019–2020 में साहित्यिक पेंशन समान भी प्रदान किया गया है।